disclose details of ingredients etc. of these products.

3179. [*Transferred to the 17th August, 1992*]

**भारत वैगन एण्ड इंजीनियरिंग कम्पनी लिमिटेड को हुआ लाभ/हानि**

3180. **श्री शंकर दयाल सिंह :** क्या **प्रधान** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) गत तीन वर्षों के दौरान भारत बैगन एण्ड इंजीनियरिंग कम्पनी लिमिटेड को हुए लाभ/हानि का ब्यौरा क्या है ;

(ख) गत तीन वर्षों के दौरान इसके एककों की उत्पादन क्षमता कितनी रही और मुजफ्फरपुर तथा मोकामा स्थित उसके कारखानों में इस समय कितने श्रमिक कार्य कर रहे हैं; और

(ग) क्या इसके विकास और विस्तार की कोई योजना सरकार के पास लम्बित है, यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है और इस संबंध में क्या कार्यवाही की जा रही है ?

**उद्योग मंत्रालय (भारी उद्योग विभाग और लोक उद्यम विभाग) में राज्य मंत्री (श्री पी०के० थुंगन) :** (क) भारत वैगन एण्ड इंजीनियरिंग कम्पनी लिमिटड (बी०डब्लू०ई०एल०) द्वारा गत तीन वर्षों के दौरान अर्जित लाभ नीचे दिया गया है :—

(लाख रुपयों में)

| वर्ष | लाभ |
|---|---|
| 1989–90 | 1.00 |
| 1990–91 | 78.00 |
| 1991–92 | 377.00 (अनंतिम) |

(ख) बी डब्लू ई एल के तीन एकक हैं और गत तीन वर्षों के दौरान उनकी उत्पादन क्षमता नीचे दर्शाई गई है :—

| वर्ष | मोकामा | मुजफ्फर-पुर | बेला |
|---|---|---|---|
| 1989–90 | 90% | 82% | 33% |
| 1990–91 | 99% | 98% | 42% |
| 1991–92 | 117% | 115% | 57% |

मोकामा और मुजफ्परपुर में 31–7–92 को श्रमिकों की संख्या क्रमश: 886 और 814 थी ।

(ग) बी. डब्लू. ई. एल. ने आधुनिकीकरण और संतुलन स्कीमों के लिये आठवीं योजनावधि के दौरान नौ करोड़ रुपए के परिव्यय का प्रस्ताव किया है। ये प्रस्ताव निधियों की उपलब्धता पर निर्भर करेंगे ।

**उत्तर प्रदेश में लघु और कुटीर उद्योग**

3181. **श्री ईश दत्त यादव :** क्या **प्रधान मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि केन्द्रीय सरकार की उदासीनता के कारण उत्तर प्रदेश के लघु और कुटीर उद्योगों का विकास नहीं हो रहा है ;

(ख) गत तीन वर्षों के दौरान लघु और कुटीर उद्योगों द्वारा कितना उत्पादन किया गया था और उनमें कितने व्यक्ति नियोजित थे; और

(ग) सरकार ने उत्तर प्रदेश में लघु और कुटीर उद्योगों के विकास के लिए क्या कदम उठाये हैं और गत तीन वर्षों में इनके विकास के लिए कितनी धनराशि दी गई ?

**उद्योग मंत्रालय (लघु उद्योग और कृषि तथा ग्रामीण उद्योग विभाग) में राज्य मंत्री और वाणिज्य मंत्रालय में**